खबर संक्षेप

ग्रैंड गरबा डांडिया रास सीजन-9 में प्रतिभागियों ने बिखेरा जलवा



विजेताओं को मिले नकद पुरस्कार

शहडोल। विराट नारी शक्ति सेवा संस्थान के तत्वावधान में आयोजित ग्रैंड गरबा डांडिया रास सीजन-9 का दो दिवसीय आयोजन 14 एवं 15 अक्टूबर को उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने गरबा और डांडिया की आकर्षक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। आयोजन के दौरान विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। संस्था की संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. नूतन एम. सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने पारंपरिक वेशभूषा और शानदार नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की छटा बिखेरी। कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक गरबा-डांडिया को प्रोत्साहित करने के साथ महिलाओं और युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध कराना रहा।

आयोजन के प्रथम दिवस मिस गरबा क्वीन श्रेणी में बैच नंबर 44 ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 11 हजार रुपये तथा बैच नंबर 207 ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर 5100 रुपये का पुरस्कार जीता। मिसेज गरबा क्वीन में बैच नंबर 285 को 3100 और बैच नंबर 300 को 2100 रुपये मिले। मिस्टर गरबा किंग में बैच नंबर 327 को प्रथम तथा बैच नंबर 314 को द्वितीय पुरस्कार मिला। गरबा प्रिंसेस और गरबा प्रिंस श्रेणी में क्रमशः बैच नंबर 354 और 358 को 1100-1100 रुपये प्रदान किए गए। द्वितीय दिवस मिस गरबा क्वीन में अंजली ताम्रकार (बैच नंबर 261) ने 11 हजार रुपये का प्रथम पुरस्कार जीता, जबकि बैच नंबर 53 को 5100 रुपये मिले। मिसेज गरबा क्वीन में शिवानी सिंह (बैच नंबर 300) प्रथम और बैच नंबर 299 द्वितीय रहे। मिस्टर गरबा किंग में राम गोले (बैच नंबर 320) प्रथम तथा बैच नंबर 327 द्वितीय स्थान पर रहे। दोनों दिवसों में गरबा प्रिंसेस और गरबा प्रिंस श्रेणियों के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। डॉ. नूतन एम. सिंह ने आयोजन की सफलता के लिए प्रायोजकों, सहयोगियों, प्रतिभागियों और उपस्थित जनसमुदाय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संस्था भविष्य में भी सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण और महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

लापरवाही का अड्डा बना 'मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक'

नियम ताक पर, सडक़ों पर कब्जा और बुजुर्गों की फजीहत, प्रशासन की यातायात मुहिम को बैंक प्रबंधन लगा रहा पलीता, पहली मंजिल पर बैंक संचालित कर उड़ाए जा रहे नियम

शहडोल। संभागीय मुख्यालय शहडोल में एक तरफ जहां पुलिस अधीक्षक और यातायात प्रभारी शहर की चरमराई यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए रात-दिन पसीना बहा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ शहर में स्थित बैंक इस पूरी व्यवस्था को चौपट करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। यातायात सुधारने के तमाम दावों और प्रयासों पर पानी फेरने का सबसे बड़ा काम संभागीय मुख्यालय स्थित 'मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक' कर रहा है। नियमों को ठेंगे पर रखकर संचालित हो रही इस शाखा ने न केवल सडक़ और फुटपाथ का अतिक्रमण कर हादसों को न्योता दिया है, बल्कि बुजुर्ग और दिव्यांग ग्राहकों की जिंदगी भी दुश्वार कर दी है।

पहली मंजिल पर बैंक का संचालन

बैंकिंग नियमों और भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार, जनसामान्य से सीधे जुडऩे वाले वाणिज्यिक और ग्रामीण बैंकों का संचालन अनिवार्य रूप से ग्राउंड फ्लोर (भू-तल) पर ही होना चाहिए। इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि बैंक में आने वाले बुजुर्गों, महिलाओं, बीमारों और दिव्यांगजनों को किसी भी तरह की असुविधा न हो, लेकिन शहडोल का मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक प्रबंधन एक कदम आगे बढक़र नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ा रहा है। यह बैंक प्रथम तल (फस्र्ट फ्लोर) पर धड़ल्ले से संचालित किया जा रहा है। सवाल यह उठता है कि जो बुजुर्ग चलने-फिरने में असमर्थ हैं, वे ऊंची और संकरी सीढिय़ां चढक़र पहली मंजिल पर कैसे पहुंचेंगे? किसी आपातकालीन स्थिति में या आगजनी जैसी अनहोनी के समय पहली मंजिल से सुरक्षित निकासी की क्या व्यवस्था है? स्थानीय बैंक प्रबंधन ने अपने निजी स्वार्थ और सांठ-गांठ के चलते



गाइडलाइन के विपरीत जाकर किराये का यह असुरक्षित भवन लिया है, जो अब आम जनता के लिए जी का जंजाल बन चुका है।

सडक़ों पर जाम और हादसे का डर

मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के पास अपनी खुद की कोई पार्किंग व्यवस्था नहीं है। बैंक में आने वाले ग्राहकों और कर्मचारियों के दोपहिया और चारपहिया वाहन सीधे सडक़ों और फुटपाथों पर पार्क कराए जाते हैं। पैदल चलने वालों के लिए बने फुटपाथ पर जब गाडिय़ां खड़ी हो जाती हैं, तो आम नागरिकों को मजबूरी में व्यस्त सडक़ पर चलना पड़ता है। इसके चलते मार्ग पर आए दिन घंटों लंबा जाम लगता है और तेज रफ्तार वाहनों के कारण किसी बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है। एक तरफ जहां पुलिस प्रशासन अवैध पार्किंग पर चालानी कार्रवाई कर रहा है, वहीं बैंक प्रबंधन की इस घोर लापरवाही के कारण यातायात व्यवस्था पूरी तरह से वेंटिलेटर पर आ गई है।

यह कहते हैं बैंक भवन और संचालन से जुड़े कड़े नियम

बैंक भवन के चयन और संचालन के लिए एक स्पष्ट और कड़ी प्रक्रिया निर्धारित है, जिसे शहडोल के इस मामले में पूरी तरह से दरकिनार कर दिया गया है। बैंकिंग दिशा-निर्देशों के अनुसार, शाखा हमेशा ग्राउंड फ्लोर पर होनी चाहिए। यदि किसी अपरिहार्य कारण से ऊपर की मंजिल ली भी जाती है, तो वहां रैंप, स्वचालित लिफ्ट और बाधा-रहित सीढिय़ों की व्यवस्था होना अनिवार्य है। बैंक भवन के पास ग्राहकों और स्टाफ के वाहनों के लिए पर्याप्त पार्किंग स्पेस होना आवश्यक है, ताकि मुख्य मार्ग का यातायात प्रभावित न हो। किसी भी भवन को किराये पर लेने से पहले बैंक के क्षेत्रीय/मंडल कार्यालय की तकनीकी समिति, सुरक्षा अधिकारी और क्षेत्रीय प्रबंधक स्थल का भौतिक निरीक्षण करते हैं। सुरक्षा, स्थान और जनसुविधाओं की जांच रिपोर्ट ओके होने के बाद ही भवन फाइनल किया जाता है। ऐसे में पहली मंजिल पर बिना पार्किंग वाला भवन स्वीकृत करने वाले निरीक्षण दल और जिम्मेदार अधिकारियों की सीधी जवाबदेही तय होनी चाहिए। बैंकिंग संहिता एवं मानक बोर्ड के अनुसार, बैंककर्मियों का आचरण ग्राहकों के साथ सम्मानजनक, मददगार और पारदर्शी होना चाहिए। विशेषकर ग्रामीण बैंक, जो किसानों और बुजुर्गों की जीवनरेखा होते हैं, वहां का व्यवहार संवेदनशील होना अनिवार्य है।

दलालों की ऐश, आम ग्राहकों से बदसलूकी!

स्थानीय लोगों और ग्राहकों के बीच यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक की इस शाखा में आम जनता की सुनवाई नहीं होती, बल्कि वहां दलालों का डेरा जमा रहता है। सीधे-सादे ग्रामीणों, किसानों और बुजुर्गों को छोटे-छोटे कामों—जैसे पासबुक प्रिंटिंग, केवाईसी, पेंशन या ऋण संबंधी जानकारी के लिए चक्कर कटवाए जाते हैं और उनके साथ बैंक के जिम्मेदारों का व्यवहार बेहद अभद्र और गैर-जिम्मेदाराना रहता है। वहीं काम जब दलालों के जरिए पहुंचता है, तो मिनटों में टेबल के नीचे से फाइलें सरक जाती हैं। काउंटर पर बैठे जिम्मेदार अधिकारी ग्राहकों से सीधे मुंह बात तक करना पसंद नहीं करते।

क्या जागेगा उच्च प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन?

नियमों को ताक पर रखकर ली गई किराये की बिल्डिंग, गायब पार्किंग व्यवस्था, सडक़ों पर लगता जाम, दलालों का बोलबाला और अधिकारियों का तुगलकी रवैया—यह सब इस बात का सबूत है कि स्थानीय बैंक प्रबंधन को न तो कानून का डर है और न ही जनता की सहूलियत की चिंता। यदि जल्द ही मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक को भू-तल पर स्थानांतरित कर पार्किंग की व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई, तो वह दिन दूर नहीं जब इस लापरवाही के कारण कोई बड़ा हादसा हो जाएगा। क्षेत्रीय जनता अब इस बदहाली के खिलाफ सडक़ों पर उतरने के मूड में है।

करोड़ों का 'मेकअप' पर बुनियादी सुविधाएं गायब

शहडोल स्टेशन पर गिट्टियों के बीच घसीटी गई व्हीलचेयर

वायरल वीडियो ने खोली रेलवे के दावों की पोल

शहडोल। दिखावे की चकाचौंध और जमीनी हकीकत के बीच कितना बड़ा फासला होता है, इसका शर्मनाक नजारा शहडोल रेलवे स्टेशन पर देखने को मिला। अमृत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन की दीवारों और परिसरों को चमकाने में करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा दिए गए, लेकिन गंभीर रूप से बीमार और दिव्यांग यात्रियों के लिए एक अदद 'रैंप' तक नसीब नहीं हो सका। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के खोखले दावों का जनाजा निकाल दिया है। वायरल वीडियो में पैर के फ्रैक्चर से तड़प रहे एक मरीज को व्हीलचेयर पर बैठाकर प्लेटफॉर्म तक पहुंचाने के लिए रेलवे पटरियों के बीच बिछी नुकीली गिट्टियों से होकर ले जाया जा रहा है।





इलाज के लिए जबलपुर जाना था, स्टेशन पर मिली प्रताडऩा

जानकारी के मुताबिक, शहडोल निवासी मोहम्मद सय्यद का पैर बुरी तरह टूट जाने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए ट्रेन से जबलपुर जाना था। परिजन उन्हें व्हीलचेयर पर लेकर शहडोल स्टेशन पहुंचे, लेकिन एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म तक सुरक्षित जाने के लिए रैंप या सुगम रास्ते की व्यवस्था ही नहीं थी। मजबूरी में परिजनों को जान जोखिम में डालकर मरीज को व्हीलचेयर समेत रेलवे ट्रैक के बीच गिट्टियों और पटरियों के ऊपर से खींचकर ले जाना पड़ा।

कागजों में विकास, धरातल पर घसीटे जा रहे मरीज

स्थानिक यात्रियों और जागरूक नागरिकों द्वारा शहडोल स्टेशन पर रैंप निर्माण की मांग वर्षों से उठाई जा रही है। हर दिन दर्जनों बुजुर्ग, दिव्यांग और गंभीर मरीज स्टेशन पहुंचते हैं, जिन्हें या तो पीठ पर लादकर सीढिय़ां चढऩी पड़ती हैं या फिर अपनी जान हथेली पर रखकर पटरियां पार करनी पड़ती हैं। सौंदर्यीकरण के नाम पर बड़े-बड़े बजट ठिकाने लगाने वाले रेलवे प्रशासन के पास इन लाचार यात्रियों के लिए थोड़ी सी संवेदना भी नहीं बची है।

आखिर कब जागेगा रेल प्रशासन

वायरल वीडियो के बाद पूरे अंचल में रेल प्रबंधन की इस लापरवाही को लेकर भारी आक्रोश फैल गया है। जनता अब सीधा सवाल पूछ रही ह कि क्या रेलवे किसी बड़े हादसे या यात्री की बलि चढऩे का इंतजार कर रहा है? करोड़ों रुपये के टाइल्स और रंग-रोगन से स्टेशन की सूरत तो बदल गई, लेकिन बुनियादी मानवीय सुविधाओं के मामले में शहडोल स्टेशन आज भी बदहाली के दौर में जी रहा है। अब देखना यह है कि इस फजीहत के बाद जिम्मेदार अधिकारियों की नींद टूटती है या फिर बयानबाजी करके मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा।

अब रुकेगा अवैध खनन या सिर्फ कागजी सख्ती

युवक की मौत के बाद जागा प्रशासन, अवैध रेत के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई

शहडोल। जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र में बीते दिनों रेत खनन में लगे खाली हाइवा से एक युवक की मौत के बाद प्रशासन अलर्ट मोड में नजर आ रहा है। हादसे के बाद पुलिस, राजस्व और खनिज विभाग की संयुक्त कार्रवाई तेज हुई है। एक ओर जैतपुर क्षेत्र में अवैध रेत भंडारण के खिलाफ कई गांवों में कार्रवाई कर रेत का विनष्टीकरण किया गया, वहीं दूसरी ओर ब्यौहारी पुलिस ने समधिन नदी से अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन करते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर दो आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया है। लगातार जारी हो रहे प्रेस नोट और कार्रवाई के दावे अब प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर रहे हैं।

190 ट्रॉली रेत नष्ट करने का दावा

16 अक्टूबर को पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय अग्रवाल के निर्देश पर थाना जैतपुर पुलिस ने एसडीएम दीपक मांडवी, खनिज अधिकारी राहुल शांडिल्य और खनिज निरीक्षक अभिषेक पटले सहित पुलिस, राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम के साथ खोडरी, गलहथा और कोलुहा में कार्रवाई की। शिकायतों के आधार पर अवैध रेत भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए रेत को मिट्टी में मिलाकर खुर्द किया गया। वहीं, खनिज विभाग की कार्रवाई संबंधी जानकारी में लुकामपुर के तीन स्थानों पर 45 ट्रॉली, खोडरी में 15, खोडरी तालाब के पास 20, डोंगरीटोला में 10, गलहता में 50 और गाड़ाघाट में 50 ट्रॉली रेत मिलने की बात सामने आई है। कुल मात्रा लगभग 190 ट्रॉली बताई गई है। यह आंकड़ा क्षेत्र में रेत के भंडारण की व्यापकता को उजागर करता है।

नदी से उत्खनन करते ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, सात लाख की संपत्ति पर कार्रवाई

ब्यौहारी पुलिस ने 15 अक्टूबर को ग्राम खामडाड़ स्थित समधिन नदी से अवैध रेत उत्खनन और परिवहन करते बिना नंबर का सोनालिका ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ा। पुलिस के अनुसार, चालक लल्ला खैरवार वैध रॉयल्टी, वाहन दस्तावेज और ड्राइविंग लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका। वाहन स्वामी मुन्ना खान बताए गए। पुलिस ने लगभग तीन घनमीटर रेत और ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित कुल 7.02 लाख रुपये की संपत्ति जब्त कर दोनों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज किया है।

हादसे के बाद कार्रवाई, पहले निगरानी कहां थी?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध रेत भंडारण की शिकायतें मिल रही थीं, तो उन पर पहले प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हुई?





कई गांवों में बड़ी मात्रा में रेत का भंडारण मिलने और नदी से अवैध उत्खनन के मामले सामने आने के बाद निगरानी व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। क्या संबंधित क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण हो रहे थे? अवैध गतिविधियां चलती रहीं तो जिम्मेदारी किसकी थी? इन सवालों का जवाब पुलिस, खनिज और राजस्व विभाग को देना चाहिए।

प्रेस नोट से आगे ठोस परिणाम की दरकार

युवक की मौत के बाद ताबड़तोड़ कार्रवाई और प्रेस नोट जारी होना प्रशासन की सक्रियता दर्शाता है, लेकिन स्थायी समाधान का पैमाना केवल जब्ती या रेत नष्ट करने की संख्या नहीं हो सकता। असली चुनौती अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर निरंतर रोक लगाने की है। अब देखना होगा कि कार्रवाई नियमित निगरानी, जिम्मेदारी तय करने और दोषियों पर प्रभावी वैधानिक कदमों तक पहुंचती है या कुछ दिनों बाद हालात फिर पुराने ढर्रे पर लौट आते हैं। क्षेत्र की जनता को कार्रवाई के दावों से आगे ठोस परिणामों का इंतजार है।

धनपुरी में 21 अक्टूबर को होगा देवी जागरण



इशरत जहां और अंजली यादव देंगी भजनों की प्रस्तुति

शहडोल। जिले के धनपुरी नंबर-1 स्थित यज्ञ स्थल दुर्गा उत्सव समिति द्वारा बुधवार, 21 अक्टूबर 2026 को भव्य देवी जागरण का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम रात्रि 8 बजे से मां भगवती की इच्छा तक चलेगा। आयोजन में मुंबई की प्रसिद्ध भजन गायिका इशरत जहां और अंजली यादव अपनी मधुर भजनों की प्रस्तुतियों से भक्तिमय वातावरण बनाएंगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में धनपुरी नगर पालिका अध्यक्ष रविंद्र कौर छावड़ा उपस्थित रहेंगी। आयोजन यज्ञ स्थल दुर्गा उत्सव समिति के तत्वावधान में दीपक मांझी (लालू भैया) एवं समस्त मित्र मंडली द्वारा कराया जा रहा है।

आयोजक दीपक मांझी ने क्षेत्र के समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने परिवार और इष्ट-मित्रों के साथ देवी जागरण में पहुंचकर मां भगवती के भजनों का आनंद लें और माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन हमारी आस्था और संस्कृति के प्रतीक हैं, जो समाज में भक्ति, प्रेम और आपसी सद्भाव को मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस भक्तिमय आयोजन की शोभा बढ़ाने तथा कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है। समिति की ओर से श्रद्धालुओं के स्वागत एवं आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं।

ब्रह्माकुमारीज दिव्य प्रकाश भवन बुढ़ार में सजी चैतन्य देवियों की मनमोहक झांकी, गरबा आयोजन में उमड़े भक्त

नवरात्रि के आध्यात्मिक रहस्य से कराया परिचित, राजयोग मेडिटेशन से मन की शांति का दिया संदेश

बुढ़ार। ब्रह्माकुमारीज दिव्य प्रकाश भवन बुढ़ार में नवरात्रि के पावन अवसर पर चैतन्य देवियों की मनमोहक झांकी सजाई गई। इसके साथ ही गरबा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें शामिल होने और देवियों के दिव्य स्वरूप के दर्शन करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। आकर्षक झांकी और भक्तिमय वातावरण ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम को देवियों की आरती के साथ हुआ। बुढ़ार नगर परिषद अध्यक्ष शालिनी सरावगी ने देवियों की आरती कर झांकी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने नगरवासियों से अपील की कि वे इस सुंदर एवं सजीव झांकी के दर्शन अवश्य करें और इसके आध्यात्मिक संदेश का अनुभव प्राप्त करें। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज एक ऐसा स्थान है, जहां राजयोग मेडिटेशन और आध्यात्मिक ज्ञान के माध्यम से मन की उलझनों को दूर करने, गहरी शांति प्राप्त करने तथा जीवन में खुशियों का अनुभव करने का अवसर मिलता है।

बीके रीता दीदी ने बताया नवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य

सेवा केंद्र प्रभारी बीके रीता दीदी ने नवरात्रि के आध्यात्मिक रहस्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मनुष्य के भीतर व्याप्त अज्ञान रूपी अंधकार के कारण जीवन में दुःख, अशांति और तनाव बढ़ते जा रहे हैं। देवियों को शिवशक्ति, असुर संहारिणी और जगत जननी के रूप में स्मरण किया जाता है। आध्यात्मिक मान्यता के अनुसार, देवियों ने शिव से शक्ति प्राप्त कर असुरों का संहार किया। उन्होंने कहा कि आज मनुष्य आत्माएं भी काम, क्रोध, मोह, अहंकार, ईष्र्या, घृणा, व्यसन, फैशन के प्रति अत्यधिक आकर्षण तथा भय जैसे आसुरी अवगुणों के प्रभाव में आ जाती हैं। इन अवगुणों पर विजय प्राप्त करना ही सच्चे अर्थों में स्वयं के भीतर परिवर्तन लाना है। बीके रीता दीदी ने बताया कि राजयोग मेडिटेशन के नियमित अभ्यास और आध्यात्मिक ज्ञान के माध्यम से आत्मा की ज्योति को जागृत किया जा सकता है। जब मन को परमपिता परमात्मा शिव से जोड़ा जाता है, तब आत्मबल और सकारात्मक शक्तियों का अनुभव होता है। इसी आध्यात्मिक शक्ति से मनुष्य अपने भीतर छिपे महिषासुर अर्थात नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त कर सकता है।

बीके प्रवीण ने कराई राजयोग मेडिटेशन की अनुभूति

कार्यक्रम में राजयोग शिक्षक बीके प्रवीण ने उपस्थित श्रद्धालुओं को राजयोग मेडिटेशन की अनुभूति कराई। उन्होंने सभी को राजयोग के महत्व से परिचित कराते हुए कहा कि नियमित अभ्यास से मन को शांत, एकाग्र और सकारात्मक बनाने में सहायता मिलती है। उन्होंने सभी भाई-बहनों से सात दिवसीय निःशुल्क राजयोग मेडिटेशन शिविर में भाग लेकर इसका लाभ लेने की अपील की। चैतन्य देवियों की झांकी के दर्शन और आरती के पश्चात गरबा आयोजन ने कार्यक्रम में उत्साह और उमंग का संचार किया। श्रद्धालुओं ने भक्तिमय वातावरण में भाग लेकर नवरात्रि की खुशियां साझा कीं। झांकी के माध्यम से देवी शक्ति के आध्यात्मिक स्वरूप और आत्मिक जागृति का संदेश दिया गया।

शहडोल में रावण दहन स्थल का नपा अध्यक्ष-उपाध्यक्ष ने लिया जायजा

शहडोल। असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक विजयादशमी (दशहरा) पर्व शहडोल नगर में धूमधाम से मनाने की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। आगामी 20 अक्टूबर को आयोजित होने वाले भव्य रावण दहन कार्यक्रम को ऐतिहासिक और सुव्यवस्थित बनाने के लिए नगर पालिका परिषद पूरी तरह से एक्शन मोड में आ गई है। इसी कड़ी में नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल एवं उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने नपा अमले के साथ आयोजन स्थल का तूफानी दौरा कर व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।

सुरक्षा, प्रकाश और सफाई व्यवस्था पर विशेष जोर

स्थल निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने मैदान की साफ-सफाई, समतलीकरण, पर्याप्त दूधिया रोशनी (लाइटिंग), पीने के पानी और आम जनता के आने-जाने के रास्तों का गहन अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त लहजे में हिदायत दी कि समय रहते सभी तैयारियां दुरुस्त कर ली जाएं। अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल ने कहा कि विजयादशमी के इस पावन अवसर पर पूरे शहर व आस-पास के ग्रामीण अंचलों से भारी संख्या में श्रद्धालु और नागरिक जुटते हैं। ऐसे में भीड़ के दबाव को देखते हुए सुरक्षा और आवागमन (यातायात) को सुचारु बनाए रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त, दोबारा होगी जांच

उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने अधिकारियों को आपसी तालमेल के साथ मुस्तैदी से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्यक्रम से ठीक पहले सभी प्रबंधों की दोबारा समीक्षा की जाएगी और यदि कहीं भी किसी तरह की कमी पाई गई, तो संबंधित जिम्मेदार कर्मचारी पर कार्रवाई तय होगी। नगर पालिका का लक्ष्य है कि शहरवासियों को एक सुरक्षित, स्वच्छ और आनंददायक माहौल मिले, ताकि वे बिना किसी असुविधा के इस उत्सव का भरपूर आनंद उठा सकें।



निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधि व कर्मचारी रहे मौजूद

स्थल निरीक्षण के इस अवसर पर पूर्णेन्द्र मिश्रा, जितेंद्र सिंह, विकास तिवारी, पुनीत त्रिपाठी समेत कई पार्षदगण, नपा के तकनीकी अधिकारी तथा स्वच्छता एवं विद्युत विभाग का अमला प्रमुख रूप से मौजूद रहा। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि तय समय-सीमा के भीतर रावण दहन स्थल की सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी।

खबर संक्षेप

कोतमा में नवरात्रि की धूम, गोविंदा गांव वार्ड क्रमांक 11 और बेरियल चौक में विराजीं मां दुर्गा



कोतमा। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर कोतमा नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में माता रानी की भक्ति की धूम मची हुई है। नगर के विभिन्न पूजा पंडालों में मां दुर्गा की आकर्षक एवं भव्य प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। इसी क्रम में गोविंदा गांव के वार्ड क्रमांक 11 में विराजीं मां दुर्गा तथा बेरियल चौक कोतमा में स्थापित मां शेरावाली की भव्य प्रतिमा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। गोविंदा गांव के वार्ड क्रमांक 11 में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर श्रद्धालुओं द्वारा भक्तिभाव से पूजा-अर्चना की जा रही है। नवरात्रि के पावन अवसर पर क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल है। मां के दर्शन करने पहुंच रहे श्रद्धालु सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना कर रहे हैं। पूजा पंडाल में मां दुर्गा की मनमोहक प्रतिमा श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। भक्तों के बीच माता रानी के प्रति अटूट आस्था और श्रद्धा का वातावरण बना हुआ है। वहीं, कोतमा के बेरियल चौक में विराजीं मां शेरावाली की भव्य प्रतिमा भी श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। मां दुर्गा के दिव्य स्वरूप और आकर्षक सजावट के दर्शन के लिए भक्त पहुंच रहे हैं। नवरात्रि के दौरान पूरा क्षेत्र माता रानी की भक्ति और जयकारों से भक्तिमय नजर आ रहा है। नवरात्रि का पर्व भारतीय संस्कृति, शक्ति की उपासना और धार्मिक आस्था का प्रतीक है। इन दिनों नगर के विभिन्न स्थानों पर मां दुर्गा की आराधना के साथ श्रद्धालु भक्तिमय वातावरण में पर्व मना रहे हैं।

नवरात्रि के पावन अवसर पर खेरमाई चौरा धाम मंदिर में गरबा नृत्य की धूम



कोतमा। नवरात्रि के पावन पर्व पर वार्ड क्रमांक 10 स्थित खेरमाई चौरा धाम मंदिर में भक्तिमय माहौल देखने को मिल रहा है। मां दुर्गा की आराधना और पूजा-अर्चना के बीच स्थानीय बालिकाओं द्वारा गरबा नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किया जा रहा है। बालिकाओं की मनमोहक प्रस्तुतियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। नवरात्रि के अवसर पर मंदिर परिसर में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना हुआ है। स्थानीय बालिकाएं पारंपरिक गरबा नृत्य के माध्यम से मां दुर्गा के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट कर रही हैं। गरबा की मनमोहक प्रस्तुतियों से मंदिर रिसर में उत्सव की रौनक बढ़ गई है।

वैज्ञानिकों ने दी उन्नत खेती की जानकारी

अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान दिवस एवं कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित





महिला किसानों की कृषि, खाद्य सुरक्षा एवं ग्रामीण आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका

शहडोल। कृषि विज्ञान केंद्र शहडोल एवं किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग शहडोल के संयुक्त तत्वावधान में 15 अक्टूबर 2026 को विकासखंड बुढ़ार के ग्राम पकरिया में अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान दिवस एवं कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिला किसानों के कृषि क्षेत्र में योगदान, उन्नत कृषि तकनीकों, सघन खेती, सब्जी उत्पादन, जैविक कीट नियंत्रण तथा कृषि आधारित आजीविका के विभिन्न विकल्पों की जानकारी दी गई।

महिला किसान देश की खाद्य सुरक्षा की महत्वपूर्ण आधारशिला

कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. मृगेंद्र सिंह ने कहा कि महिला किसान देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, फसल उत्पादन, पशुपालन, बीज संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन, कटाई के बाद की गतिविधियों तथा कृषि उत्पादों का मूल्य बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। उनका पारंपरिक ज्ञान, उद्यमशीलता और जलवायु अनुकूल खेती की पद्धतियां भारतीय कृषि को अधिक उत्पादक, टिकाऊ और समावेशी बनाने में अहम भूमिका निभाती हैं। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. ब्रजकिशोर प्रजापति एवं डॉ. दीपक चौहान ने कहा कि भारतीय कृषि को अधिक उत्पादक एवं आत्मनिर्भर बनाने में महिला किसानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पारंपरिक ज्ञान, जैव विविधता संरक्षण, उद्यमशीलता तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाकर महिलाएं ग्रामीण आजीविका को मजबूत करती हैं और खेती को अधिक लचीला बनाती हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 को अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष के रूप में मनाने का उद्देश्य कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं के योगदान को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाना तथा कृषि क्षेत्र में उनके लिए अवसरों का विस्तार करना है। इसके साथ ही संसाधनों, आधुनिक प्रौद्योगिकी और संस्थागत सहायता तक महिलाओं की पहुंच मजबूत करने पर भी जोर दिया जा रहा है।

उतेरा खेती से खाली खेतों में भी होगी अतिरिक्त उपज

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग शहडोल के परियोजना संचालक (आत्मा) ओ.एस. वर्मन एवं उपसंचालक (आत्मा) श्रीमती ममता कुशवाहा ने उतेरा खेती की उपयोगिता बताते हुए कहा कि जिन किसानों के पास सिंचाई के सीमित साधन हैं और रबी मौसम में खेत खाली रह जाते हैं, उनके लिए उतेरा खेती एक महत्वपूर्ण विकल्प है। उन्होंने बताया कि उतेरा खेती का मुख्य उद्देश्य खेत में उपलब्ध नमी का उपयोग अगली फसल के अंकुरण एवं वृद्धि के लिए करना है। वर्षा आधारित धान की खेती वाले क्षेत्रों में धान की कटाई से 10 से 15 दिन पहले अलसी, मसूर, मटरी एवं तिवड़ा के बीजों का खेत में छिडक़ाव कर देना चाहिए। इससे धान की कटाई के समय खेत में मौजूद नमी का उपयोग करते हुए बीज अंकुरित होने लगते हैं और उपलब्ध नमी से फसल तैयार हो सकती है। इस तकनीक से किसान धान के साथ-साथ दलहन एवं तिलहन की अतिरिक्त उपज प्राप्त कर सकते हैं। इससे उपलब्ध भूमि और प्राकृतिक नमी का बेहतर उपयोग होने के साथ किसानों की आमदनी बढ़ाने में भी मदद मिल सकती है।

सब्जी उत्पादन से बढ़ सकती है किसानों की आय

वरिष्ठ उद्यानिकी अधिकारी बुढ़ार श्रीमती साक्षी दुबे एवं कृषि विकास अधिकारी बुढ़ार डॉ. कल्पना श्रीवास्तव ने सब्जी आधारित फसल प्रणालियों की जानकारी देते हुए कहा कि सब्जियों की खेती किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी एवं वैज्ञानिक माध्यम है। पारंपरिक फसलों की तुलना में कई सब्जियां कम समय में तैयार होकर बाजार में नियमित आय का अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने कीट एवं रोग नियंत्रण के लिए प्राकृतिक और जैविक उपायों के महत्व पर भी प्रकाश डाला। बताया गया कि वानस्पतिक कीटनाशियों में नीमगिरी के अर्क के पांच प्रतिशत घोल का उपयोग चूसक कीटों के नियंत्रण के लिए किया जाता है। वहीं, बैसिलस एवं स्यूडोमोनास जैसे सूक्ष्मजीवों का उपयोग पौधों की वृद्धि को प्रोत्साहित करने तथा जैव नियंत्रण में किया जा सकता है। इन उपायों से खेती की लागत कम करने और गुणवत्तायुक्त उत्पादन प्राप्त करने में सहायता मिल सकती है।

कृषि के साथ सहायक गतिविधियां अपनाकर बढ़ाएं आमदनी

रिलायंस फाउंडेशन के राजीव श्रीवास्तव ने किसानों को कृषि के साथ अन्य आयवर्धक गतिविधियों को जोडऩे की सलाह दी। उन्होंने बताया कि खेती के साथ पशुपालन, बागवानी, फल एवं सब्जी उत्पादन, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, रेशम उत्पादन, मुर्गीपालन, दुग्ध उत्पादन एवं खाद्य प्रसंस्करण, मशरूम की खेती, वर्मी कम्पोस्ट निर्माण, खरगोश पालन, बकरी पालन और वानिकी जैसी गतिविधियों को समन्वित रूप से अपनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इन गतिविधियों को एक-दूसरे का पूरक बनाकर किसान वर्षभर आमदनी के विभिन्न स्रोत विकसित कर सकते हैं। इससे कृषि पर निर्भरता के जोखिम को कम करने, ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने और किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान महिला किसानों एवं कृषकों को वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों, उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग और कृषि आधारित स्वरोजगार के अवसरों के प्रति जागरूक किया गया।

'आकांक्षा स्व-सहायता समूह' की पहल से गूंजे माता के जयकारे

शासकीय विद्यालय में कन्या भोज का भव्य आयोजन

मानपुर। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर नगर के शासकीय माध्यमिक व प्राथमिक विद्यालय, बंधा टोला में भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। आकांक्षा महिला स्व-सहायता समूह की संचालिका सोमवती गुप्ता के नेतृत्व में विद्यालय परिसर में एक वृहद कन्या भोज का आयोजन किया गया, जिसने पूरे नगर में धार्मिक व सामाजिक सौहार्द की एक अनूठी मिसाल पेश की है।

देवी पूजन और कन्याओं को भेंट

कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत मां दुर्गा की आराधना के साथ हुई। इसके बाद समूह संचालिका सोमवती गुप्ता ने कन्याओं के चरण पखारकर उनकी पूजा-अर्चना की और उन्हें उपहार व पूजन सामग्रियां भेंट कीं। वैदिक मंत्रोच्चार और माता रानी के जयकारों के बीच शुरू हुए इस कन्या भोज में सैकड़ों नन्हीं कन्याओं



और विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने माता का प्रसाद ग्रहण किया।

धार्मिक और सामाजिक सरोकार की अनूठी पहल सोमवती गुप्ता पूर्व से ही विभिन्न धार्मिक और सामाजिक कार्यों में बढ़-चढक़र अपनी सहभागिता निभाती रही हैं। विद्यालय परिसर में इस प्रकार के वृहद आयोजन की शुरुआत कर उन्होंने एक सराहनीय परंपरा की नींव रखी है। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि इस तरह के आयोजन न केवल समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं, बल्कि नई पीढ़ी को हमारी प्राचीन संस्कृति और संस्कारों से भी जोड़ते हैं।

इन गणमान्य लोगों की रही उपस्थिति

इस धार्मिक और आनंददायक अवसर पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका नीतू तिवारी, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं, बंधा टोला महिला स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष, सचिव, समस्त सदस्यगण तथा विद्यालय की रसोइया बहनें पूरी तन्मयता के साथ उपस्थित रहीं। सभी ने सहर्ष महाप्रसाद ग्रहण कर मां भगवती से नगर, क्षेत्र और प्रदेश की सुख, शांति व समृद्धि की कामना की। इस भव्य आयोजन की गूंज पूरे मानपुर नगर में है, और हर तरफ आकांक्षा महिला स्व-सहायता समूह की इस प्रेरणादायक पहल की जमकर सराहना की जा रही है।

डीजे विवाद पर खून खराबा करने वाले चारों हत्यारों को उम्रकैद

कोर्ट ने सुनाई कड़ी सजा

उमरिया। जन्मदिन की पार्टी में डीजे बजाने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद कितना खौफनाक रूप ले सकता है, इसका एक वीभत्स उदाहरण उमरिया जिले में देखने को मिला था। 5 अगस्त 2021 को हुई इस जघन्य वारदात में अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए चारों दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष की ओर से की गई सशक्त पैरवी के दम पर माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रियदर्शन शर्मा ने अपराधियों को सलाखों के पीछे भेज दिया है।

यह था मामला

मीडिया प्रभारी नीरज पाण्डेय के अनुसार ग्राम उजनिया में राजू कोल की बेटी के जन्मदिन का कार्यक्रम चल रहा था। रात करीब 9:30 बजे डीजे पर गाने बजाने को लेकर विवाद शुरू हुआ। गुलाब कोल जब डीजे की लीड निकालकर अपने घर चला गया, तो आरोपी शिवा सेन और रवि सेन उसके पीछे-पीछे घर पहुंच गए। आरोपियों ने आदिवासी जाति से ताल्लुक रखने वाले गुलाब को गंदी-गंदी गालियां देते हुए कॉलर पकडक़र आंगन में पटक दिया। इसी बीच गोलू रजक और राजा सेन भी वहां आ धमके और चारों ने मिलकर गुलाब पर हमला कर दिया। जब बीच-बचाव करने परिजन और ग्रामीण पहुंचे, तो आरोपियों ने बेरहमी से चाकुओं से ताबड़तोड़ वार कर दिए। शिवा सेन ने गुलाब के सीने में चाकू घोप दिया, जबकि राजा और रवि ने धीरज तथा शिवचरण को गंभीर रूप से घायल कर दिया। अस्पताल ले जाते रास्ते में गुलाब ने दम तोड़ दिया था, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए हत्या, जानलेवा हमला और एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था।

चारों आरोपियों को उम्रकैद

इस सनसनीखेज प्रकरण में उप निदेशक अभियोजन आर. के. चतुर्वेदी द्वारा अभियोजन पक्ष की ओर से बेहद मजबूत और ठोस तर्क पेश किए गए। अदालत ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर चारों आरोपियों को दोषी करार दिया। विवेक उर्फ गोलू रजक, प्रकाश उर्फ राजा सेन एवं रवि सेन को धारा 307/34 के तहत 7 वर्ष का सश्रम कारावास (500 रुपये अर्थदंड) तथा धारा 302/34 के तहत आजीवन कारावास और 1000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है। मुख्य आरोपी शिवा को धारा 307/34 में 7 वर्ष, धारा 302/34 में आजीवन कारावास1000 रुपये अर्थदंड के अलावा आम्र्स एक्ट की धारा 25 (1-बी) (बी) के तहत अतिरिक्त 2 वर्ष का सश्रम कारावास और 500 रुपये की सजा सुनाई गई है। अन्याय और अपराध के खिलाफ न्याय के इस कड़े फैसले से पीड़ित परिवार को राहत मिली है, वहीं अपराधियों के लिए यह एक बड़ा संदेश है कि कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं।

11 सूत्रीय मांगों को लेकर विद्युत अभियंताओं ने खोला मोर्चा



मुख्यमंत्री, ऊर्जा मंत्री और प्रमुख सचिव के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

चचाई। मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पत्रोपाधि अभियंता संघ की क्षेत्रीय इकाई अमरकंटक क्षेत्र चचाई ने कनिष्ठ अभियंताओं एवं पदोन्नत सहायक अभियंताओं की लंबित समस्याओं के निराकरण के लिए आवाज बुलंद की है। संघ द्वारा 11 सूत्रीय मांगों को लेकर ध्यानाकर्षण कार्यक्रम के प्रथम चरण में मुख्यमंत्री, ऊर्जा मंत्री और ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव के नाम कलेक्टर अनूपपुर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। इसमें पदोन्नति के अवसर बढ़ाने, वेतन विसंगतियां दूर करने, संविदा कर्मचारियों को नियमित करने और मैदानी अधिकारियों पर होने वाली कथित अनावश्यक कार्रवाई पर अंकुश लगाने सहित कई मांगें उठाई गई हैं। संघ का कहना है कि कनिष्ठ अभियंताओं को पूरे सेवाकाल में पर्याप्त पदोन्नति के अवसर मिलना चाहिए। वहीं, वर्षों से तकनीकी कार्य कर रहे कर्मचारियों को उनकी योग्यता और अनुभव के अनुरूप पद पर नियुक्ति देने की जरूरत है। ज्ञापन सौंपने के दौरान संघ के क्षेत्रीय पदाधिकारी, कनिष्ठ अभियंता एवं पदोन्नत सहायक अभियंता उपस्थित रहे।

पदोन्नति और रिक्त पदों को लेकर उठाई मांग

संघ की पहली मांग है कि पदोन्नत सहायक अभियंताओं को नियमों में आवश्यक शिथिलता देते हुए आगामी विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) में कार्यपालन यंत्री के पद पर पदोन्नति दी जाए। साथ ही ऊर्जा विभाग के 9 जून 2011 के भोपाल आदेश की कंडिका क्रमांक 2 तथा पूर्ववर्ती विद्युत मंडल से कंपनियों में अंतरित कर्मचारियों की पदोन्नति के लिए आरक्षित पदों को यथावत रखने की मांग की गई है। कनिष्ठ अभियंताओं को संपूर्ण सेवाकाल में न्यूनतम तीन पदोन्नतियां देने के लिए कार्यपालन यंत्री एवं अधीक्षण यंत्री के 50 प्रतिशत रिक्त पद सहायक अभियंता वर्ग से भरने की मांग भी रखी गई है। संघ ने सहायक अभियंता के पदों पर सीधी भर्ती रोकने और रिक्त पदों को कनिष्ठ अभियंताओं की पदोन्नति से भरने की मांग की है। इसके अतिरिक्त विभागीय पदोन्नति समिति में सहायक अभियंता के सभी रिक्त पद शत-प्रतिशत कनिष्ठ अभियंताओं की पदोन्नति से भरने की मांग भी शामिल है।

वेतन विसंगतियां दूर करने और संविदा कर्मचारियों को नियमित करने पर जोर

संघ ने चतुर्थ उच्च वेतनमान की स्वीकृति के लिए संबंधित प्रावधान की कंडिका 11 को विलोपित करने तथा पात्रता अवधि की गणना कनिष्ठ यंत्री के पद पर नियुक्ति की तिथि के बजाय कंपनी में प्रथम नियुक्ति की तिथि से करने की मांग की है। वर्ष 2018 के बाद नियुक्त कनिष्ठ अभियंताओं की वेतन विसंगतियां दूर कर उनका वेतनमान एवं ग्रेड पे पूर्व में नियुक्त अभियंताओं के समान करने की मांग भी उठाई गई है। संघ ने यह भी कहा है कि सहायक अभियंता संविदा के स्थान पर कनिष्ठ यंत्री के पद पर नियुक्ति दी जाए तथा कंपनी में कार्यरत सभी संविदा कनिष्ठ अभियंताओं को नियमित कर पूर्णकालिक कनिष्ठ यंत्री बनाया जाए।

दुर्घटनाओं में सीधे नामजद प्राथमिकी पर रोक की मांग

विद्युत दुर्घटनाओं के मामलों में भारतीय दंड संहिता की धारा 304-ए के तहत कनिष्ठ एवं सहायक अभियंताओं के विरुद्ध सीधे नामजद प्राथमिकी दर्ज किए जाने पर रोक लगाने की मांग की गई है। इसके साथ ही मैदानी अधिकारियों को अनावश्यक कारण बताओ नोटिस जारी करने और आरोपपत्र संबंधी कार्रवाई पर अंकुश लगाने की बात कही गई है। संघ ने विभागीय अनुमति लेकर पॉलिटेक्निक डिप्लोमा उत्तीर्ण करने वाले लगभग 350 तकनीकी कर्मचारियों का मुद्दा भी उठाया है। ज्ञापन के अनुसार, ये कर्मचारी वर्षों से मैदानी क्षेत्रों में कनिष्ठ अभियंताओं का काम कर रहे हैं। संघ ने उन्हें कनिष्ठ यंत्री के पद पर नियुक्त करने की मांग की है।



शैक्षणिक प्रगति और सर्वांगीण विकास पर हुआ सार्थक विचार-विमर्श

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, अमरकंटक में पालक-शिक्षक परिषद बैठक का सफल आयोजन

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में अभिभावक-शिक्षक परिषद (पीटीसी) की बैठक का सफल एवं सार्थक आयोजन किया गया। बैठक में 250 से अधिक अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, परीक्षा परिणाम, सुरक्षा, अनुशासन तथा सर्वांगीण विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार एवं सुझाव साझा किए। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक प्रयासों को मजबूत बनाना रहा। कार्यक्रम विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह पायक के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। उन्होंने उपस्थित अभिभावकों का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, शैक्षणिक उत्कृष्टता और नैतिक विकास में विद्यालय तथा परिवार की भूमिका समान रूप से महत्वपूर्ण है। शिक्षकों और अभिभावकों के बीच नियमित संवाद, आपसी विश्वास एवं सहयोग से विद्यार्थियों की क्षमताओं को बेहतर दिशा प्रदान की जा सकती है।

शैक्षणिक उपलब्धियों और विद्यार्थियों की सुरक्षा पर चर्चा

बैठक के दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों, विषयवार प्रदर्शन, परीक्षा परिणाम तथा विद्यालय में संचालित विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की जानकारी अभिभावकों के साथ साझा की। विद्यार्थियों की अध्ययन संबंधी कठिनाइयों, उनकी रुचियों और क्षमताओं को समझते हुए शैक्षणिक स्तर में सुधार लाने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया गया। इसके साथ ही छात्रावास में विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं संरक्षा, अनुशासन, दैनिक दिनचर्या, स्वास्थ्य, व्यवहार और व्यक्तिगत आवश्यकताओं जैसे विषयों को भी प्रमुखता से उठाया गया। विद्यालय में सुरक्षित, सकारात्मक एवं अनुकूल वातावरण बनाए रखने तथा विद्यार्थियों में जिम्मेदारी, आत्मानुशासन और अच्छे संस्कार विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

अभिभावकों ने दिए सुझाव, सहयोग का जताया भरोसा

बैठक में अभिभावकों ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए अपने सुझाव प्रस्तुत किए। उन्होंने विद्यार्थियों की शिक्षा, नियमित अध्ययन और बेहतर प्रदर्शन के लिए विद्यालय प्रशासन एवं शिक्षकों को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। शिक्षकों ने अभिभावकों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए विद्यार्थियों की प्रगति को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारियों की सहभागिता सराहनीय रही। सभी ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता, सुरक्षित वातावरण, अनुशासन तथा नैतिक एवं सामाजिक विकास सुनिश्चित करने के लिए परस्पर सहयोग के साथ कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

संवाद और विश्वास को मजबूत करने की पहल

पीटीसी की यह बैठक सकारात्मक, संवादपरक एवं फलदायी रही। बैठक ने विद्यालय और अभिभावकों के बीच विश्वास तथा सहयोग की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान किया। इस प्रकार की बैठकों से विद्यार्थियों की समस्याओं को समय रहते समझने, उनकी प्रतिभा को निखारने और उन्हें बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने में सहायता मिलती है। विद्यालय प्रबंधन ने विश्वास व्यक्त किया कि अभिभावकों के निरंतर सहयोग, शिक्षकों के समर्पित प्रयासों और विद्यार्थियों की लगन से विद्यालय के छात्र-छात्राएं शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे तथा अपने परिवार, विद्यालय और क्षेत्र का गौरव बढ़ाएंगे।

मां की भक्ति में डूबा धनपुरी, गुफानुमा दरबारों में अलौकिक दर्शन











भव्य पंडालों ने खींचा श्रद्धालुओं का सैलाब

धनपुरी। कहीं मां के जयकारों की गूंज, कहीं ढोल-नगाड़ों की थाप, कहीं रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाते भव्य पंडाल, तो कहीं गुफानुमा रास्तों से गुजरकर मां जगदंबा के दिव्य स्वरूप के दर्शन करने को आतुर श्रद्धालुओं की कतारें। शारदीय नवरात्र के महापर्व पर धनपुरी की तस्वीर इन दिनों कुछ ऐसी ही नजर आ रही है। कोयलांचल की नगरी पूरी तरह माता रानी की भक्ति में डूबी हुई है। नगर के गली-मोहल्लों, चौक-चौराहों और विभिन्न वार्डों में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं के दरबार श्रद्धा, आकर्षण और उत्साह के केंद्र बन गए हैं। आज सप्तमी पर नवरात्र का उल्लास और अधिक गहराता दिखाई दे रहा है।

नौ दिनों तक चलने वाले शक्ति की साधना, आराधना और उपासना के इस महापर्व में धनपुरी के श्रद्धालु पूरे भक्तिभाव से मां के चरणों में शीश नवाने पहुंच रहे हैं। सुबह से पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का क्रम शुरू होता है, जबकि शाम होते ही पंडालों की रौनक देखते ही बनती है। माता रानी के दर्शन के लिए उमड़ते श्रद्धालु, भक्ति गीतों की मधुर धुन और गूंजते जयकारे नगर के वातावरण को भक्तिमय बना रहे हैं। पंचमी से ही पंडालों में भीड़ बढ़ने लगी है और सप्तमी के साथ उत्सव की चमक और निखर आई है।

गुफा के भीतर से गुजरते ही सामने आता है मां का भव्य दरबार

इस बार धनपुरी के दुर्गा उत्सवों में गुफानुमा पंडालों ने विशेष आकर्षण पैदा किया है। श्रद्धालुओं को मां के दरबार तक पहुंचाने के लिए तैयार किए गए गुफानुमा प्रवेश मार्ग लोगों की उत्सुकता बढ़ा रहे हैं। दूरभाष केंद्र धनपुरी, शंकर मंदिर दफाई नंबर-1, यज्ञ स्थल नंबर-1 तथा संग्राम सिंह दफाई स्थित काली मंदिर सहित विभिन्न स्थानों पर इस तरह की सजावट की गई है।

गुफा के भीतर से गुजरते हुए जैसे ही श्रद्धालु मां जगदंबा की विशाल और आकर्षक प्रतिमा के सामने पहुंचते हैं, उनकी निगाहें मानो वहीं ठहर जाती हैं। भव्य स्वरूप, मनमोहक सजावट और रोशनी के बीच विराजमान मां के दर्शन भक्तों को भावविभोर कर देते हैं। कुछ पल के लिए श्रद्धालु मां के दिव्य स्वरूप को निहारते रहते हैं और हाथ जोड़कर सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

गुफानुमा प्रवेश से लेकर मां के दरबार तक की सजावट ने इन पंडालों को नवरात्र का प्रमुख आकर्षण बना दिया है।

सजावट में दिखा समितियों का उत्साह, पंडालों की भव्यता बनी चर्चा का विषय

नवरात्र के अवसर पर दुर्गा उत्सव समितियों ने पंडालों को आकर्षक और भव्य स्वरूप देने के लिए विशेष तैयारियां की हैं। विशाल प्रतिमाएं, सुसज्जित प्रवेश द्वार, रंग-बिरंगी विद्युत रोशनी और मनमोहक सजावट श्रद्धालुओं को अपनी ओर खींच रही हैं। दिन में जहां मां के दर्शन के लिए भक्त पहुंच रहे हैं, वहीं शाम ढलते ही जगमगाते पंडालों की रौनक देखने लायक हो जाती है। नगर के विभिन्न वार्डों में स्थापित प्रतिमाओं के आसपास भक्तों की आवाजाही बढ़ने से उत्सव का माहौल और जीवंत हो गया है। परिवार सहित पहुंच रहे श्रद्धालु मां के दर्शन के साथ पंडालों की भव्यता भी निहार रहे हैं। समितियों और स्थानीय नागरिकों की सहभागिता से नवरात्र का यह आयोजन धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता का भी सुंदर उदाहरण बन रहा है।

ढोल-नगाड़ों की थाप पर भक्ति का उल्लास, गरबा-डांडिया में युवाओं की धूम

धनपुरी में नवरात्र का रंग केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है। मां की आरती, घंटियों की ध्वनि और ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच पूरा वातावरण भक्तिरस से सराबोर है। दूसरी ओर, युवा वर्ग में गरबा और डांडिया को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। पारंपरिक संगीत की धुनों पर उत्सव की उमंग लोगों को आकर्षित कर रही है।

एक ओर मां दुर्गा के चरणों में श्रद्धालुओं की प्रार्थनाएं हैं, तो दूसरी ओर सांस्कृतिक आयोजनों में उल्लास और उत्साह की झलक। यही संगम धनपुरी के नवरात्र उत्सव को विशेष पहचान दे रहा है। धार्मिक परंपरा और सांस्कृतिक रंगों से सजा यह पर्व नगरवासियों को एक साथ जोड़ रहा है।

सप्तमी पर इन दुर्गा पंडालों में विशेष रौनक

आज सप्तमी के अवसर पर काली चौरा दफाई नंबर-1, शंकर मंदिर दुर्गा उत्सव समिति धनपुरी नंबर-1, लालू मित्र मंडली यज्ञ स्थल धनपुरी नंबर-1, संग्राम सिंह दफाई, दुर्गा मंदिर अच्छी मोहल्ला और धनपुरी बाजार रंगमंच सहित अन्य स्थानों पर स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाएं श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

इन पंडालों में दर्शन-पूजन का सिलसिला जारी है। शाम होते ही श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने के साथ आसपास के क्षेत्रों में मेले जैसा माहौल दिखाई देने लगता है। सप्तमी से नवमी तक मां के दर्शन और उत्सव की रौनक और बढ़ने की उम्मीद है। भक्तों के उत्साह और पंडालों की भव्यता ने पूरे नगर को नवरात्र के रंग में रंग दिया है।

मां के जयकारों से गूंजा कोयलांचल, आस्था का उमड़ा सैलाब

धनपुरी में शारदीय नवरात्र केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि जन-जन की आस्था, सामाजिक सहभागिता और सांस्कृतिक परंपरा का जीवंत उत्सव बन गया है। विभिन्न वार्डों में सजे मां के दरबार इस बात की गवाही दे रहे हैं कि श्रद्धा के इस महापर्व में पूरा नगर एक साथ जुड़कर मां जगदंबा की आराधना कर रहा है।

भव्य पंडाल, गुफानुमा प्रवेश द्वार, विशाल प्रतिमाएं, जगमगाती रोशनी और श्रद्धालुओं का उत्साह— इन सबने धनपुरी के नवरात्र को आकर्षक स्वरूप दिया है। हर ओर गूंजता जय माता दी का उद्घोष भक्तों के मन में नई ऊर्जा और विश्वास का संचार कर रहा है। सप्तमी के अवसर पर मां के दरबारों में उमड़ती श्रद्धा यह संदेश दे रही है कि आस्था की शक्ति के सामने उत्साह कभी कम नहीं होता।

खबर संक्षेप

भाजपा मंडल ने एसडीओपी को सौंपा ज्ञापन, निगरानी बढ़ाने का किया आग्रह

बुढ़ार। धनपुरी अनुविभाग के विभिन्न थाना क्षेत्रों में अवैध कोयला, कबाड़ एवं रेत के उत्खनन-परिवहन की आशंका और इससे जुड़ी शिकायतों को लेकर भाजपा मंडल बुढ़ार अध्यक्ष अर्जुन सोनी ने अनुविभागीय पुलिस अधिकारी विकास पाण्डेय को ज्ञापन सौंपकर आवश्यक जांच और कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में भाजपा मंडल बुढ़ार ने पुलिस प्रशासन का ध्यान क्षेत्र में सामने आ रही कथित अवैध गतिविधियों की ओर आकर्षित कराया। मंडल की ओर से कहा गया कि कोयला, कबाड़ एवं रेत के उत्खनन और परिवहन से संबंधित मामलों की नियमित निगरानी एवं जांच की जानी चाहिए, ताकि यदि कहीं नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित व्यक्तियों अथवा वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा सके।

देवी आराधना में लीन, श्रद्धालुओं का जत्था उमड़ा दर्शन को





बुढ़ार। शक्ति की आराधना के महापर्व शारदीय नवरात्र के पांचवें दिन, यानी पंचमी तिथि के पावन अवसर पर पूरा बुढ़ार नगर माँ दुर्गा की भक्ति में सराबोर नजर आया। चहुंओर गूंजते माता के जयकारों और घंट-घड़ियालों की ध्वनि से पूरा वातावरण पूरी तरह से अध्यात्ममय हो उठा है। नगर के विभिन्न दुर्गा पंडालों में माँ के अलौकिक दर्शन पाने के लिए आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है।

पंचमी के इस पवित्र दिन पर माता के दर्शन हेतु महिलाओं, युवतियों और बच्चों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। नगर के प्रमुख पंडालों और मार्गों पर माताओं-बहनों की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं, जो माँ के चरणों में अपनी हाजिरी लगाने के लिए कतारबद्ध हैं।

भक्ति और श्रद्धा के प्रमुख केंद्र

सिंधी बाजारः यहाँ स्थित 'मन्नत वाली काली माता' के दरबार में भक्तों का तांता लगा हुआ है। ऐसी मान्यता है कि यहाँ सच्चे मन से माँ से जो भी माँगो, वह अवश्य पूरी होती है, इसलिए भक्तों की भारी भीड़ यहाँ आशीर्वाद लेने पहुँच रही है।

हरे माधव कॉलोनीः नव चेतना दुर्गा समिति मेन रोड क्षेत्र में सजे भव्य दुर्गा पंडाल में भी माँ के दर्शन के लिए स्थानीय श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है।

कॉलेज तिराहाः यहाँ महागौरी के पावन स्वरूप को निहारने और उनका आशीर्वाद पाने के लिए भक्तों में गजब की होड़ और उत्साह देखने को मिल रहा है।

संध्या आरती की अलौकिक छटा

दिनभर दर्शनों का सिलसिला तो अनवरत जारी है ही, लेकिन जैसे ही संध्या ढलती है, माता की संध्या आरती के समय पंडालों में जनसैलाब उमड़ पड़ता है। सैकड़ों दीपकों की रोशनी, कपूर की महक और सामूहिक रूप से गूंजते आरती के स्वरों ने हर दिल को माँ की भक्ति से भर दिया है। इस बेला में पूरा पंडाल परिसर दिव्यता से जगमगा उठता है।

काली मंदिर विलयस नंबर-1 में धूमधाम से मनाया गया पंचमी का पर्व, दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु

धनपुरी। विलयस नंबर-1 स्थित मां काली मंदिर में पंचमी का पर्व बड़े ही धूमधाम, श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। सुबह से ही मां काली के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। भक्तों ने मां के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण भी किया गया।



मंदिर परिसर में दिनभर भक्तिमय माहौल बना रहा। श्रद्धालु मां काली की भक्ति में लीन नजर आए और जयकारों से पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा। पर्व को लेकर भक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

सनातन धार्मिक समिति काली मंदिर के अध्यक्ष एस.पी. सिंह ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मां काली मंदिर में पंचमी का पर्व बड़े ही उत्साह और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता रानी के दर्शन के लिए पहुंचे। भक्तों की आस्था और उत्साह से मंदिर परिसर भक्तिमय बना रहा।उन्होंने बताया कि आगामी रविवार को मां काली के दरबार में अष्टमी का पर्व भी श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर मां काली का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की गई है।



ब्रह्माकुमारीज दिव्य प्रकाश भवन बुढार में चैतन्य देवियों की झांकी का दर्शन कर श्रद्धालु जनों ने अर्जित किये पुण्य लाभ

नवरात्रि के आध्यात्मिक रहस्य से कराया गया परिचित, राजयोग मेडिटेशन से मन की शांति का भी दिया गया संदेश

बुढ़ार। नवरात्रि के पावन पर्व पर पंचमी को ब्रह्माकुमारीज दिव्य प्रकाश भवन बुढ़ार में चैतन्य देवियों की मनमोहक झांकी सजाई गई।, और देवियों के दिव्य स्वरूप के दर्शन का पुण्य लाभ श्रद्धालु जनों ने श्रद्धा भाव से अर्जित किये। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी ने आरती कर चेतन्य झांकी का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम के आयोजन में आकर्षक झांकी, आरती से समूचा वातावरण भक्तिमय रहा और कार्यक्रम स्थल आध्यात्मिक रंग में सराबोर रहा।इस अवसर पर श्रीमती शालिनी सरावगी ने अपने उद्बोधन में कहाकि - चेतन्य झांकियो के दर्शन कर उसके आध्यात्मिक संदेश को आत्मसात करने की नितांत आवश्यकता है और उन्होंने अपने विचार साझा करते हुए कहाकि - ब्रह्माकुमारीज केंद्र पर राजयोग मेडिटेशन और आध्यात्मिक ज्ञान के माध्यम से मन की उलझनों को दूर करने, आंतरिक शांति प्राप्त करने और जीवन में सकारात्मकता लाने का पुनीत अवसर मिलता है।

बी.के. रीता दीदी ने बताया नवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य - सेवा केंद्र प्रभारी बी.के. रीता दीदी ने नवरात्रि के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहाकि - अज्ञान और नकारात्मक प्रवृत्तियों के कारण मनुष्य के जीवन में दुःख, अशांति और तनाव बढ़ते हैं। आध्यात्मिक मान्यताओं में देवियों को शिवशक्ति, असुर संहारिणी और जगत जननी के रूप में स्मरण किया जाता है। देवी शक्ति का संदेश मनुष्य को अपने भीतर की बुराइयों पर विजय प्राप्त करने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहाकि - काम, क्रोध, मोह, अहंकार, ईर्ष्या, घृणा, व्यसन, भय और बाहरी आकर्षणों के प्रति अत्यधिक मोह जैसी प्रवृत्तियां व्यक्ति की आंतरिक शक्ति को कमजोर करती हैं। इन अवगुणों पर विजय प्राप्त कर स्वयं में सकारात्मक परिवर्तन लाना ही नवरात्रि के आध्यात्मिक संदेश का सार है।

बी.के. रीता दीदी ने बताया कि - राजयोग मेडिटेशन के नियमित अभ्यास और आध्यात्मिक ज्ञान से आत्मिक शक्ति जागृत की जा सकती है। जब मन परमपिता परमात्मा शिव की स्मृति से जुड़ता है, तब व्यक्ति आत्मबल, शांति और सकारात्मकता का अनुभव करता है। इसी आंतरिक शक्ति के माध्यम से मनुष्य अपने भीतर की नकारात्मक प्रवृत्तियों रूपी महिषासुर पर विजय प्राप्त कर सकता है। बी.के. प्रवीण ने कराई राजयोग मेडिटेशन की अनुभूति - कार्यक्रम में राजयोग शिक्षक बी.के. प्रवीण ने श्रद्धालुओं को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया। उन्होंने बताया कि नियमित राजयोग अभ्यास मन को शांत, एकाग्र और सकारात्मक बनाने में सहायक होता है। उन्होंने उपस्थित भाई-बहनों से सात दिवसीय निःशुल्क राजयोग मेडिटेशन शिविर में भाग लेकर आध्यात्मिक ज्ञान और ध्यान का लाभ लेने का आग्रह किया।

कार्यक्रम अवसर पर गरबा आयोजन ने बढ़ाया उत्साह - चैतन्य देवियों की झांकी के दर्शन और आरती के पश्चात गरबा आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भक्तिमय माहौल में गरबा के माध्यम से नवरात्रि की खुशियां साझा की गईं और चेतन्य झांकियो ने देवी शक्ति के आध्यात्मिक स्वरूप, आत्मिक जागृति और जीवन में सकारात्मक बदलाव का संदेश दिया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में बी.के. जोई, बी.के. अर्चना, बी.के. हरप्रसाद दुबे सहित अन्य ईश्वरीय सेवाधारियों ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

दशहरा उत्सव समिति ने किया वृहद कन्याभोज, 501 छात्राओं का पूजन कर दिए उपहार





बुढ़ार। नगर दशहरा उत्सव समिति बुढ़ार द्वारा गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर भव्य कन्याभोज का सफल आयोजन किया गया। इस दौरान नगर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत 501 कन्याओं का पूरे विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर उन्हें भोजन कराया गया तथा दक्षिणा स्वरूप उपहार भेंट किए गए।

यह वृहद आयोजन जैतपुर क्षेत्र के विधायक जयसिंह मरावी के मुख्य आतिथ्य एवं नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी की गौरवमयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

501 कन्याओं का सामूहिक पूजन और भोज

शारदीय नवरात्रि के छठवें दिवस आयोजित इस कार्यक्रम में नगर के प्रमुख विद्यालयों—सरस्वती शिशु मंदिर, ज्ञान निकेतन विद्यालय, बाल विकास विद्यालय तथा सरस्वती ज्ञान मंदिर बुढ़ार—की छात्राओं को एक साथ बैठाकर सम्मानपूर्वक पूजन किया गया।

उल्लेखनीय है कि दशहरा उत्सव समिति द्वारा सत्र 2024 से नगर में कन्याभोज की यह अनूठी परंपरा प्रारंभ की गई थी, जो हर वर्ष और अधिक भव्य रूप लेती जा रही है। इस वर्ष भी विद्यालयों की छात्राओं को सामूहिक रूप से भोजन कराकर इस परंपरा को नया आयाम दिया गया।

'कन्याओं का पूजन व शुभाशीष परम सौभाग्य' — विधायक जयसिंह मरावी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी ने कहा, ₹नवरात्रि के पावन पर्व पर मां जगतजननी की श्रद्धा व आस्थापूर्वक पूजा-अर्चना और दर्शन कर हम सभी श्रद्धालु पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। वहीं, आज इस वृहद कन्याभोज में पधारीं कन्याओं का भरपूर शुभाशीष हम सभी को प्राप्त हुआ है, जो परम सौभाग्य की बात है।₹

जनप्रतिनिधियों व समाजसेवियों की रही गरिमामयी मौजूदगी

इस भव्य आयोजन में दशहरा उत्सव समिति, नगर परिषद, स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम में दशहरा उत्सव समिति की संरक्षक एवं नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी, समिति अध्यक्ष जितेंद्र सिंह (जित्तू), महिला अध्यक्ष श्रीमती चेतना दीक्षित, समाजसेवी राजकुमार सरावगी, दौलत मनवानी, भानू दीक्षित, सुजीत सिंह चंदेल, पूर्व पार्षद एवं पूर्व समिति अध्यक्ष विक्रम बारी, सोनू आहूजा, रावण निर्माण समिति अध्यक्ष अमित सिंघानिया, अरविंद नायक, पार्षदगण—श्रीमती सुधा बारी, सुमित्रा नामदेव, जूली जैन, गीता प्रजापति विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इसके अलावा सरस्वती उ.मा. विद्यालय के व्यवस्थापक रविकुमार रजक, प्राचार्य रामसजीवन पटेल, कोषाध्यक्ष प्रतीत गुप्ता, प्रधानाचार्य श्रीकांत चतुर्वेदी, मंजू लाल, राज पाठक, संतोष प्रजापति, विनोद पाठक तथा नगर परिषद से राधिका तिवारी,अभय शुक्ला और जीवन लाल सहित बड़ी संख्या में उत्साहियों ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई।

न्यायपूर्ण समाज के निर्माण का संकल्प है दशहरा : जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान

बुढ़ार। दशहरा केवल रावण के पुतले के दहन का पर्व नहीं, बल्कि अहंकार पर मर्यादा, अन्याय पर न्याय और अधर्म पर धर्म की विजय का शाश्वत संदेश है। यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति बाहुबल या सत्ता में नहीं, बल्कि सत्य, न्याय, नैतिकता और मानवीय मूल्यों में निहित होती है।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जीवन एक आदर्श शासक और लोकनायक के रूप में कर्तव्यनिष्ठा, निष्पक्षता, वचनबद्धता और लोककल्याण की मिसाल प्रस्तुत करता है। उन्होंने सत्ता को अधिकार और वैभव का साधन नहीं, बल्कि जनसेवा का माध्यम माना। श्रीराम का चरित्र यह संदेश देता है कि सच्चा नेतृत्व वही है, जिसमें व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर लोकहित और अधिकारों से पहले कर्तव्यों को प्राथमिकता दी जाए।

विधि के शासन की अवधारणा से जुड़ा श्रीराम का आदर्श

आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्था में विधि का शासन सर्वोपरि है। कानून की दृष्टि में प्रत्येक नागरिक समान है और न्यायपालिका का दायित्व है कि वह नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करते हुए न्याय की स्थापना करे। न्याय तभी सार्थक माना जा सकता है, जब वह निर्बल को संबल दे, पीड़ित को संरक्षण का भरोसा दिलाए और अन्याय के विरुद्ध खड़े व्यक्ति में व्यवस्था के प्रति विश्वास कायम रखे।

श्रीराम के आदर्शों को वर्तमान संदर्भ में देखें तो स्पष्ट होता है कि न्याय केवल न्यायालयों की जिम्मेदारी नहीं है। न्यायपूर्ण समाज का निर्माण प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी भी है। परिवार से लेकर समाज और शासन तक प्रत्येक स्तर पर सत्यनिष्ठा, समानता, मर्यादा तथा मानवीय गरिमा का सम्मान आवश्यक है।

रावण का दहन बाहर नहीं, भीतर भी जरूरी

आज के दौर में रावण केवल एक पुतले का प्रतीक नहीं है। अहंकार, लोभ, क्रोध, नफरत, भेदभाव और अन्याय भी हमारे भीतर मौजूद वे प्रवृत्तियां हैं, जिनका अंत आवश्यक है। पुतले का दहन इन बुराइयों के प्रतीकात्मक अंत का संदेश देता है, लेकिन वास्तविक विजय तब होगी, जब हम इन्हें अपने आचरण और व्यवहार से भी दूर करने का प्रयास करें।

दशहरा हमें आत्ममंथन का अवसर देता है

क्या हम अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी उतनी ही गंभीरता से निभा रहे हैं? क्या हमारे व्यवहार में दूसरों के अधिकारों और सम्मान के लिए पर्याप्त स्थान है? क्या हम अन्याय को देखकर उसके विरुद्ध आवाज उठाने का साहस रखते हैं?विजयादशमी का पर्व हमें केवल अतीत की विजय का उत्सव मनाने के लिए नहीं, बल्कि वर्तमान को बेहतर बनाने की प्रेरणा देता है। श्रीराम के आदर्शों से प्रेरणा लेकर यदि हम अपने जीवन में सत्य, मर्यादा, कर्तव्य और न्याय को स्थान दें, तो यही दशहरे का सबसे सार्थक संदेश होगा।

अमरकंटक के साल वनों पर कीट का हमला, 40,200 साल बोरर नष्ट

5,157 हेक्टेयर वन क्षेत्र के सर्वेक्षण में 9,535 वृक्ष चिह्नित,वैज्ञानिक परीक्षण के बाद प्रभावित पेड़ों के निष्कासन को मिली सशर्त मंजूरी

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।





पवित्र नगरी अमरकंटक के साल वनों पर साल बोरर कीट का प्रकोप वन विभाग के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। वन संपदा को बचाने के लिए विभाग ने वैज्ञानिक पद्धति से नियंत्रण अभियान चलाते हुए अब तक 40,200 वयस्क कीटों को पकड़कर नष्ट किया है। वहीं, अमरकंटक वन परिक्षेत्र के 18 वन कक्षों में 5,157.34 हेक्टेयर क्षेत्र के सर्वेक्षण के दौरान 9,535 अत्यधिक प्रभावित एवं मृतप्राय साल वृक्ष चिह्नित किए गए हैं। वैज्ञानिक परीक्षण और निर्धारित प्रक्रिया के बाद प्रभावित वृक्षों के आवश्यक निष्कासन के प्रस्ताव को भी शर्तों के अधीन स्वीकृति दी गई है। साल वनों पर कीट के प्रकोप और उसके नियंत्रण के लिए की जा रही कार्रवाई के संबंध में मध्यप्रदेश शासन के वन विभाग ने मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल को विस्तृत प्रतिवेदन भेजा है। 28 सितंबर 2026 को जारी विभागीय पत्र में अब तक किए गए सर्वेक्षण, कीट नियंत्रण, वैज्ञानिक संस्थानों के परीक्षण और आगे की कार्ययोजना का विवरण दिया गया है। यह कार्रवाई आयोग अध्यक्ष द्वारा 12 अगस्त 2026 को इस विषय में भेजे गए पत्र के संदर्भ में की गई है।

वैज्ञानिक संस्थानों ने किया प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण

वन विभाग के प्रतिवेदन के अनुसार, अक्टूबर 2025 में साल बोरर कीट के लक्षण सामने आने के बाद उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर तथा राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर के वैज्ञानिकों ने नवंबर 2025 में प्रभावित वन क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया था। वैज्ञानिकों के परामर्श और प्रचलित कार्ययोजनाओं के प्रावधानों के आधार पर कीट नियंत्रण तथा प्रभावित वृक्षों के प्रबंधन के उपाय निर्धारित किए गए। विभाग ने संक्रमण की तीव्रता और वृक्षों की स्थिति के आधार पर चिह्नांकन एवं वर्गीकरण की प्रक्रिया अपनाई। इसका उद्देश्य प्रभावित वृक्षों के माध्यम से कीट के प्रसार को नियंत्रित करना और शेष स्वस्थ साल वृक्षों को सुरक्षित रखना बताया गया है।

9,535 वृक्ष चिह्नित, निष्कासन का प्रस्ताव तैयार

अमरकंटक वन परिक्षेत्र के 18 वन कक्षों में किए गए सर्वेक्षण के दौरान 9,535 अत्यधिक प्रभावित एवं मृतप्राय साल वृक्ष चिह्नित किए गए। प्रतिवेदन के अनुसार, संक्रमण की तीव्रता के आधार पर वृक्षों का वर्गीकरण करते हुए टी-1 से टी-6 श्रेणी के वृक्षों के निष्कासन का प्रस्ताव तैयार किया गया। प्रभावित वृक्षों का निष्कासन केवल पेड़ों की कटाई तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि इसका संबंध कीट के प्रसार को नियंत्रित करने और वन क्षेत्र में शेष वृक्षों को सुरक्षित रखने से भी है। हालांकि, इस प्रक्रिया में वैज्ञानिक अनुशंसाओं, स्वीकृत कार्ययोजना और निर्धारित शर्तों का पालन करना आवश्यक होगा।

विशेष वृक्ष अभियान से नष्ट किए 40,200 वयस्क कीट

साल बोरर कीट के नियंत्रण के लिए वन विभाग ने वैज्ञानिक परामर्श के अनुरूप विशेष वृक्ष अभियान चलाया। अनूपपुर वनमंडल के अमरकंटक वन परिक्षेत्र में इस अभियान के माध्यम से 40,200 वयस्क साल बोरर कीटों को पकड़कर नष्ट किया गया। कीटों की संख्या नियंत्रित करने और प्रभावित क्षेत्रों में प्रकोप के विस्तार को सीमित करने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि अभियान के बाद प्रभावित वन क्षेत्रों में कीटों की सक्रियता और नए वृक्षों पर संक्रमण की स्थिति में कितना बदलाव आता है।

पर्यावरण मंत्रालय की सशर्त स्वीकृति

वन विभाग के प्रतिवेदन के मुताबिक, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास) के प्रतिवेदन के आधार पर 21 अगस्त 2026 को क्षेत्रीय सशक्त समिति की बैठक में प्रभावित वृक्षों के प्रबंधन के विषय पर विचार किया गया। इसके बाद भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल ने 1 सितंबर 2026 के पत्र के माध्यम से आवश्यक विदोहन के प्रस्ताव को निर्धारित शर्तों के अधीन स्वीकृति प्रदान की। इसका अर्थ है कि प्रभावित वृक्षों का निष्कासन निर्धारित प्रक्रिया और स्वीकृति की शर्तों के अनुरूप ही किया जाना है। ऐसे में कार्रवाई के दौरान यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण होगा कि वैज्ञानिक अनुशंसाओं का पालन हो तथा स्वस्थ वृक्षों और प्राकृतिक वन संपदा को अनावश्यक नुकसान न पहुंचे।

जनजातीय विश्वविद्यालय में हुई कार्यशाला, संरक्षण के उपायों पर मंथन

साल बोरर कीट के प्रबंधन और साल वनों के संरक्षण को लेकर 17 अगस्त 2026 को अमरकंटक स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय में कार्यशाला आयोजित की गई थी। इसमें जनप्रतिनिधियों, वैज्ञानिकों और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यशाला में कीट नियंत्रण, प्रभावित वृक्षों के प्रबंधन और दीर्घकालिक संरक्षण की कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया गया। वन विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में प्राकृतिक पुनरुत्पादन को सुरक्षित रखने के उपाय भी प्रस्तावित किए हैं। इसके तहत साल के प्राकृतिक रूप से उगने वाले नवपौधों को चराई और मानवीय हस्तक्षेप से बचाने पर जोर दिया जाएगा, ताकि प्रभावित क्षेत्रों में वन घनत्व को बनाए रखने और साल वनों की पुनर्बहाली में मदद मिल सके।

संरक्षण अभियान की सफलता पर टिकी निगाहें

अमरकंटक के साल वन जैव विविधता, स्थानीय पारिस्थितिकी और क्षेत्र के पर्यावरणीय संतुलन के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में हजारों वृक्षों का प्रभावित होना वन प्रबंधन के सामने गंभीर चुनौती प्रस्तुत करता है। विभाग ने कीट नियंत्रण, सर्वेक्षण और प्रभावित वृक्षों के प्रबंधन की प्रक्रिया शुरू की है, लेकिन अभियान की वास्तविक सफलता का आकलन आगे मिलने वाले परिणामों से ही हो सकेगा। अब निगरानी का महत्वपूर्ण पहलू यह होगा कि कीट का प्रकोप नए क्षेत्रों में फैलने से कितना रोका जा पाता है, स्वस्थ साल वृक्ष कितने सुरक्षित रहते हैं और प्राकृतिक रूप से उग रहे नवपौधों का संरक्षण किस तरह सुनिश्चित होता है। साथ ही, प्रभावित वृक्षों के निष्कासन की कार्रवाई निर्धारित शर्तों के अनुरूप हो और उसके परिणामों की नियमित समीक्षा की जाए, यह भी जरूरी होगा। अमरकंटक की वन संपदा का संरक्षण केवल विभागीय कार्रवाई नहीं, बल्कि क्षेत्र की प्राकृतिक विरासत को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी भी है। वैज्ञानिक उपायों के प्रभावी क्रियान्वयन और निरंतर निगरानी से ही साल वनों की दीर्घकालिक सुरक्षा तथा प्राकृतिक पुनर्बहाली का लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा।

अनूपपुर जिला मुख्यालय या सरकारी दफ्तरों को दूर बसाने की प्रयोगशाला?

ब्लॉक कार्यालय से लेकर मेडिकल कॉलेज तक के स्थान चयन पर उठे सवाल

जनता को सुविधाओं के लिए तय करनी पड़ सकती है लंबी दूरी



हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला मुख्यालय अनूपपुर में महत्वपूर्ण सरकारी संस्थानों के स्थान चयन को लेकर सवाल उठने लगे हैं। लगभग 50 वर्षों से अनूपपुर में संचालित ब्लॉक कार्यालय का नया भवन बदरा ग्राम पंचायत में निर्माणाधीन है। वहीं केंद्रीय विद्यालय मानपुर ग्राम पंचायत और गर्ल्स कॉलेज हर्री-बरी ग्राम पंचायत में निर्माणाधीन है। इसके अलावा मेडिकल कॉलेज के लिए जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर कद्दमसरा में स्थान प्रस्तावित होने की बात सामने आ रही है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जिला मुख्यालय में ही सुविधाओं के विस्तार की संभावनाओं पर कितना विचार किया जा रहा है। जिला मुख्यालय का उद्देश्य केवल कलेक्ट्रेट भवन तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह प्रशासनिक समन्वय और जनसुविधाओं का प्रमुख केंद्र भी होता है। महत्वपूर्ण संस्थानों के अलग-अलग स्थानों पर स्थापित होने से लोगों को विभिन्न कार्यों के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ सकती है। इससे समय और परिवहन खर्च बढ़ने की आशंका भी है। हालांकि, शैक्षणिक संस्थानों और मेडिकल कॉलेज के निर्माण के लिए पर्याप्त भूमि, यातायात, पर्यावरण और भविष्य में विस्तार जैसी जरूरतों को ध्यान में रखना आवश्यक है। लेकिन इन सभी पहलुओं के साथ आम जनता की सुविधा और संस्थानों तक आसान पहुंच को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

स्थान चयन के आधार पर प्रशासन को देना चाहिए जवाब

महत्वपूर्ण संस्थानों के लिए अलग-अलग स्थानों के चयन के बीच यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या जिला मुख्यालय अनूपपुर में उपलब्ध संभावनाओं का समुचित आकलन किया गया है? क्या सरकारी सुविधाओं के विस्तार के लिए कोई समग्र योजना बनाई गई है? क्या स्थान चयन के दौरान शहर के सुनियोजित विकास और आम नागरिकों की सहूलियत को ध्यान में रखा गया है? जिला प्रशासन को इन सवालों पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए, ताकि लोगों को संस्थानों के स्थान चयन के पीछे के कारणों की जानकारी मिल सके। सरकारी भवनों का निर्माण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन विकास का वास्तविक लाभ तभी मिलता है, जब आम नागरिकों को सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हों। प्रशासनिक समन्वय, बेहतर परिवहन और संस्थानों तक सुगम पहुंच से जनता की परेशानी कम हो सकती है। अनूपपुर जिला मुख्यालय में भविष्य की विकास योजनाएं तैयार करते समय शहर के सुनियोजित विस्तार और नागरिकों की जरूरतों को प्राथमिकता देना जरूरी है। जिले का नाम अनूपपुर और मुख्यालय भी अनूपपुर होने के बावजूद यदि महत्वपूर्ण सुविधाओं के लिए लोगों को अलग-अलग दिशाओं में जाना पड़े, तो इस व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। अब जरूरत इस बात की है कि जिला प्रशासन सरकारी संस्थानों के स्थान चयन की योजना को स्पष्ट करे और यह सुनिश्चित करे कि विकास का लाभ सीधे आम जनता तक पहुंचे।

एलआईसी कार्यालय के पीछे कथित 'नशे का अड्डा', वार्ड-7 में गांजा कारोबार को लेकर गंभीर आरोप

केसवाही मार्ग से खेप पहुंचने और घर में छिपाकर रखने की चर्चा

शाम होते ही बढ़ती आवाजाही से रहवासी परेशान; पुलिस की भूमिका पर भी उठे सवाल



हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक 7 स्थित एलआईसी कार्यालय के पीछे कथित गांजा कारोबार को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि क्षेत्र में लंबे समय से नशीले पदार्थों की संदिग्ध गतिविधियां संचालित हो रही हैं। शाम ढलते ही यहां लोगों की आवाजाही बढ़ने और देर रात तक संदिग्ध गतिविधियां जारी रहने की बात कही जा रही है। रहवासियों ने इस स्थिति पर चिंता जताते हुए पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच और प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय स्तर पर की जा रही चर्चाओं के अनुसार, गांजे की कथित खेप केसवाही मार्ग से होकर क्षेत्र में पहुंचती है। कुछ लोगों के बारी-बारी से खेप लाने की बात भी कही जा रही है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में मामले की वास्तविकता सामने लाने के लिए पुलिस द्वारा निष्पक्ष जांच किया जाना आवश्यक है। क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि कथित गांजा विक्रेता अपने घर में कूलर के नीचे बने गड्ढेनुमा स्थान पर नशीला पदार्थ छिपाकर रखता है। यदि इस दावे में सच्चाई है, तो जांच के दौरान संबंधित स्थान की विधिसम्मत तलाशी लेकर वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जा सकती है। रहवासियों का आरोप है कि क्षेत्र में कथित गतिविधियां लंबे समय से चल रही हैं, लेकिन इनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई दिखाई नहीं देने से लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, पुलिस को पहले से जानकारी होने, कार्रवाई से पूर्व सूचना लीक होने अथवा संबंधित स्थान से किसी प्रकार की बरामदगी नहीं होने के दावों की भी स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है।

पुलिसकर्मियों पर वसूली के आरोप, जांच की मांग

मामले को और गंभीर बनाते हुए कुछ सूत्रों के हवाले से स्थानीय थाने में पदस्थ कुछ पुलिसकर्मियों पर कथित गांजा विक्रेता से हर महीने मोटी रकम लेने के आरोप लगाए जा रहे हैं। इन आरोपों की पुष्टि नहीं हुई है और न ही संबंधित पुलिसकर्मियों का पक्ष सामने आया है। इसलिए इनकी सत्यता का निर्धारण निष्पक्ष जांच के बाद ही किया जा सकता है। यदि किसी पुलिसकर्मी की संलिप्तता या अवैध गतिविधियों को संरक्षण देने की बात प्रमाणित होती है, तो यह कानून व्यवस्था और पुलिस की जवाबदेही से जुड़ा गंभीर मामला होगा। पुलिस प्रशासन को चाहिए कि वह इन आरोपों को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच कराए, ताकि सच्चाई सामने आ सके और दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई हो। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नशीले पदार्थों की कथित उपलब्धता का असर युवा वर्ग पर पड़ सकता है। अभिभावकों को आशंका है कि यदि क्षेत्र में नशे से जुड़ी गतिविधियां जारी रहती हैं, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव आसपास के सामाजिक वातावरण पर भी पड़ सकता है। मध्य प्रदेश शासन की ओर से नशे के विरुद्ध अभियान चलाए जाते हैं। ऐसे में स्थानीय स्तर पर सामने आ रहे आरोपों की गंभीरता से जांच करना और अवैध कारोबार की पुष्टि होने पर कार्रवाई करना जरूरी है। केवल अभियान चलाना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसकी प्रभावशीलता का आकलन भी आवश्यक है।

शाम होते ही बढ़ती आवाजाही से रहवासी चिंतित

वार्डवासियों के अनुसार, शाम ढलने के बाद संबंधित क्षेत्र में आवाजाही बढ़ जाती है। संदिग्ध गतिविधियों की आशंका के चलते परिवारों, महिलाओं और राहगीरों में असहजता का माहौल होने की बात कही जा रही है। नागरिकों ने शाम से देर रात तक नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने और संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रखने की मांग की है। हालांकि, किसी व्यक्ति की आवाजाही मात्र से उसके नशे के कारोबार में शामिल होने का निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। इसलिए आवश्यक है कि पुलिस शिकायतों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच करे तथा किसी निर्दोष व्यक्ति को अनावश्यक रूप से परेशान किए बिना कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करे। वार्ड क्रमांक 7 में कथित गांजा कारोबार को लेकर उठ रहे सवालों के बीच अब पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह मामले की वास्तविकता स्पष्ट करे। केसवाही मार्ग से संदिग्ध परिवहन की शिकायतों, कथित भंडारण स्थल और पुलिसकर्मियों पर लगाए गए वसूली के आरोपों की अलग-अलग जांच होनी चाहिए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि शिकायतों में दम है, तो अब तक प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या पुलिस प्रशासन संबंधित क्षेत्र में औचक जांच कराएगा? क्या कथित अवैध कारोबार और पुलिसकर्मियों की संभावित संलिप्तता की निष्पक्ष पड़ताल होगी? फिलहाल इन सवालों के जवाब सामने आना बाकी है। अब देखना होगा कि पुलिस प्रशासन इन आरोपों को कितनी गंभीरता से लेता है और वार्डवासियों की चिंता दूर करने के लिए क्या ठोस कदम उठाता है।

बेटियां समाज का गौरव, उनका सम्मान ही सच्ची शक्ति पूजा-प्राचार्य डॉ. कौशलेन्द्र सिंह

कन्या विद्यालय में श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ कन्या पूजन एवं भव्य कन्या भोज



हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ कन्या पूजन एवं कन्या भोज का भव्य आयोजन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. कौशलेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन तथा समस्त विद्यालय परिवार के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति, नारी सम्मान और धार्मिक परंपराओं की सुंदर झलक देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय संस्कृति के शाश्वत संदेश 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः के भाव के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं को देवी स्वरूप मानकर उनका विधिवत पूजन किया गया। शिक्षिकाओं एवं विद्यालय के कर्मचारियों ने छात्राओं के माथे पर कुमकुम का तिलक लगाया तथा पारंपरिक चुनरी और मुकुट सजाकर उनका आत्मीय स्वागत किया। इसके बाद श्रद्धा और पवित्रता के वातावरण में छात्राओं को पूरी, हलवा, चना एवं फल का प्रसाद प्रेमपूर्वक परोसा गया। छात्राओं को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. कौशलेन्द्र सिंह ने कहा कि बेटियां केवल परिवार की ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र का गौरव हैं। उनका सम्मान करना, उन्हें शिक्षित बनाना और जीवन में आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और परंपराओं को जीवंत बनाए रखना भी आवश्यक है। बेटियों के प्रति सम्मान, स्नेह और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना ही सच्चे अर्थों में मां दुर्गा की आराधना है। उन्होंने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शिक्षा, संस्कार और आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कन्या पूजन एवं भोज के आयोजन में विद्यालय के समस्त शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने छात्राओं को आदरपूर्वक प्रसाद वितरित किया। कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्य डॉ. कौशलेन्द्र सिंह सहित विद्यालय परिवार ने सभी छात्राओं को सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। इस आयोजन से विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। कार्यक्रम ने धार्मिक आस्था के साथ बेटियों के सम्मान, शिक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा के महत्व का संदेश भी दिया।

जन-विश्वास शिविर में राज्य मंत्री के निर्देश, जनसमस्याओं के निराकरण में विभागीय समन्वय पर जोर

10वीं-12वीं के परीक्षा परिणामों में अनूपपुर को प्रदेश में प्रथम स्थान पर लाने का लक्ष्य

स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में साफ-सफाई व रंगाई-पुताई सुनिश्चित करने के निर्देश



हरिभूमि न्यूज कोतमा। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को नगर पालिका कोतमा के मंगल भवन में आयोजित शिविर में प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने अधिकारियों को टीम भावना के साथ काम करने और विभागीय समन्वय के माध्यम से आमजन की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए लंबित प्रकरणों का निराकरण करना होगा। राज्य मंत्री जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप आयोजित मुख्यमंत्री जन-विश्वास शिविर आमजन को शासन की योजनाओं से जोड़ने और उनकी समस्याओं के समाधान की महत्वपूर्ण पहल हैं। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों को प्राथमिकता से निराकृत करने तथा वरिष्ठ अधिकारियों को प्रकरणों की नियमित समीक्षा और निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभागीय तालमेल की कमी से आम नागरिकों को परेशानी नहीं होनी चाहिए और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर मिलना चाहिए।

शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने पर जोर

राज्य मंत्री ने जिले की शिक्षा व्यवस्था में सुधार को प्राथमिकता देते हुए कहा कि कक्षा 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणामों में अनूपपुर जिले को प्रदेश में प्रथम स्थान पर लाने के लिए योजनाबद्ध प्रयास किए जाएं। विद्यार्थियों की पढ़ाई की नियमित समीक्षा हो और कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देकर शैक्षणिक स्तर में सुधार किया जाए।

उन्होंने शासकीय विद्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों में स्वच्छता, रंगाई-पुताई तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और सड़क से जुड़ी जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने को कहा। नगरीय क्षेत्रों में पूर्ण हो चुके विकास कार्यों का निरीक्षण कर गुणवत्ता की जांच करने तथा कमियां मिलने पर तत्काल सुधार कराने के निर्देश भी दिए।

नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करें अधिकारी

कलेक्टर रत्नाकर झा ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जन-विश्वास शिविरों का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित करना है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि योजनाओं की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाई जाए, ताकि कोई भी पात्र हितग्राही लाभ से वंचित न रहे। कलेक्टर ने विद्यालयों में विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए प्रभावी प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय और टीम भावना के साथ जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दें। योजनाओं के क्रियान्वयन में जिम्मेदारी तय करते हुए पात्र हितग्राहियों तक लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम में वनमंडलाधिकारी डेविड व्यंकटराव चनाप, नगर पालिका कोतमा अध्यक्ष अजय सराफ, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोतमा टी.आर. नाग सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, पत्रकार और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

पंचमी से अमरकंटक में उमड़ने लगी श्रद्धालुओं की भीड़

नवजात शिशुओं के मुंडन संस्कार कराने भी आ रहे परिवार

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक



पवित्र नगरी अमरकंटक में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर पंचमी तिथि से भक्त-श्रद्धालुओं के आगमन में तेजी आने लगी है। मां नर्मदा के दर्शन एवं पूजन-अर्चन कर पुण्य लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से दूरदराज के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु अपने परिवार और परिजनों के साथ अमरकंटक पहुंच रहे हैं। नवरात्रि पर्व के चलते नगर के प्रमुख धार्मिक स्थलों और नर्मदा तट के घाटों पर श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक गतिविधियों का वातावरण दिखाई देने लगा है। पंचमी तिथि गुरुवार को उपांग ललिता के पावन अवसर से श्रद्धालुओं का आगमन प्रारंभ हुआ। इसके बाद षष्ठी तिथि, मूल नक्षत्र एवं शुक्रवार को भी बड़ी संख्या में भक्तजन मां नर्मदा के दर्शन और स्नान के लिए पहुंचते रहे। दूरस्थ अंचलों से आने वाले महिला-पुरुष, युवक-युवतियां तथा बच्चे नर्मदा के पवित्र घाटों पर पहुंचकर आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। स्नान के पश्चात श्रद्धालु मां नर्मदा की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना कर रहे हैं। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर मां नर्मदा के दर्शन-पूजन के साथ नवजात शिशुओं के मुंडन एवं छौर कर्म संस्कार कराने के लिए भी बड़ी संख्या में परिवार अमरकंटक पहुंच रहे हैं। माता-पिता, अभिभावक और परिजन अपने बच्चों का मुंडन संस्कार धार्मिक परंपराओं के अनुसार संपन्न कराने के उद्देश्य से मां नर्मदा के उद्गम स्थल पर आ रहे हैं। नर्मदा मंदिर के सामने मुंडन संस्कार कराने वाले परिवारों की चहल-पहल बनी हुई है। हिंदू धार्मिक परंपराओं में मुंडन संस्कार को महत्वपूर्ण संस्कार माना जाता है। अनेक परिवार शुभ तिथि और पावन अवसर पर अपने बच्चों का मुंडन कराने के लिए तीर्थस्थलों को प्राथमिकता देते हैं।